Amit Singh Negi
Secretary

Government of Uttarakhand

Department of Medical, Health and Family Welfare and Medical Education
Government of Uttarakhand
4 -Subhash Road, Dehradun

Letter No. 442/Sec-MH/2020
Dated 04 June. 2020

मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन की अध्यक्षता में दिनांक 28 मई 2020 को डेंगू एवं चिकनगुनिया की रोकथाम एवं नियंत्रण हेतु आयोजित अन्तर्विभागीय समन्वय बैठक का कार्यवृत।

बैठक में निम्न अधिकारियों द्वारा प्रतिभाग किया गया :

1. श्री अमित सिंह नेगी, सचिव चिकित्सा स्वास्थ्य एवं सचिव वित्त उत्तराखण्ड शासन।
2. श्री मीनाक्षी सुन्दरम, सचिव शिक्षा, उत्तराखण्ड शासन।
3. श्री युगल किशोर पन्त, अपर सचिव/मिशन निदेशक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन उत्तराखण्ड।
4. डा0 अमिता उप्रेती, निदेशक स्वास्थ, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय उत्तराखण्ड।
5. श्री बृजेश सन्त, अपर सचिव परिवहन विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
6. श्री विनोद कुमार सुमन, अपर सचिव शहरी विकास विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
7. श्री ओमकार सिंह, संयुक्त सचिव सिचांई विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
8. श्री आशीष त्रिपाठी, संयुक्त निदेशक सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
9. श्री देवेन्द्र पालीवाल, अपर सचिव, आपदा प्रबन्धन, उत्तराखण्ड शासन।
10. डा0 एस0के0 सिंह, उप निदेशक महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास, उत्तराखण्ड शासन।
11. श्री मनोज कुमार तिवारी, निदेशक पंचायती राज, उत्तराखण्ड शासन।
12. डा0 पंकज कुमार सिंह, प्रभारी अधिकारी एन0एच0एम0 उत्तराखण्ड।
13. श्री जे0सी0 पाण्डे, आई0ई0सी0 अधिकारी, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय उत्तराखण्ड।
14. डा0 अवनीश कुमार गुप्ता, वी0बी0डी0 कन्सलटेंट, एन0वी0बी0डी0सी0पी0 राज्य यूनिट उत्तराखण्ड।

राज्य में कोविड–19 महामारी के प्रकोप के साथ–साथ आगामी माहों में डेंगू रोग के प्रसारित होने की सम्भावना के दृष्टिगत डेंगू रोग की रोकथाम एवं नियंत्रण में अन्य विभागों की महत्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन की अध्यक्षता में एक अन्तर्विभागीय समन्वय बैठक आयोजित की गयी। कोविड–19 संक्रमण को देखते हुए प्रमुख विभागों के अधिकारियों द्वारा सोशल डिस्टेंन्सिंग के मानकों का पालन करते हुए मुख्य सचिव सभागार मे डेंगू की आगामी दिनों में सम्भावित चुनौती के अनुसार बचाव की रणनीति पर चर्चा की गयी।

1. मुख्य सचिव श्री उत्पल कुमार सिंह ने निर्देश दिये कि डेंगू रोग की प्रभावी रोकथाम के लिए समस्त विभाग कार्ययोजना तैयार कर कार्यवाही करना सुनिश्चित करें व इस वर्ष डेंगू रोग के नियंत्रण के लिए हर सम्भव प्रयास अभी से किये जायें। समस्त विभाग स्वास्थ्य विभाग से सामन्जस्य मे काम करें एवं अपने स्तर से समस्त ठोस कदम उठायें। जनपदों में डेंगू जांच केन्द्र अवश्य सुदृढ़ कर लिये जाये तथा प्रत्येक जांच केन्द्र में ELISA जांच किट की उपलब्धता सुनिश्चित की जाये। यह भी निर्देशित किया कि अन्य विभागों के कार्य दायित्व विस्तार पूर्वक बना कर सभी सम्बन्धित विभागो को प्रेषित किये

Scanned with CamScanner

जायें। मुख्य सचिव द्वारा यह भी निर्देश दिये गये कि डेंगू निरोधात्मक गतिविधियों के दौरान कोविड–19 से बचाव के समस्त उपाय अमल मे लाये जाये।

2. डा0 पंकज कुमांर सिंह, प्रभारी अधिकारी, राष्ट्रीय वैक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम, एन0एच0एम0 ने Power Point के माध्यम से राज्य मे डेंगू की स्थिति व गत वर्षो मे डेंगू रोकथाम हेतु कृत कार्यवाही व गतिविधियों एवं आगामी कार्ययोजना का प्रस्तुतीकरण किया।

3. शहरी क्षेत्रों के समस्त वार्डो में स्वच्छता अभियान चलाया जाये ताकि डेंगू मच्छरों के उत्पन्न होने के स्रोतों को पनपने से रोका जा सके। आबादी क्षेत्रों मे जो भी स्थान जहां साफ पानी जमा होने का खतरा है जैसे सीमेन्ट के टैंक, अधूरे निर्माण कार्य क्षेत्र, नव निर्माण कार्य क्षेत्र इत्यादि ऐसी जगहों पर डेंगू मच्छरों के पनपने का अधिक खतरा रहता है वहां अभियान के तौर पर पानी को जमा होने से रोका जाये। निर्माणाधीन परियोजनाओं में डेंगू निरोधात्मक गतिविधियों का आंकलन अवश्य किया जाये। आबादी क्षेत्रों मे पुराने जमा टायरों, झुग्गीयों की छत पर प्लास्टिक शीट मे पानी जमा होने पर डेंगू के मच्छर पनपने लगते है जहां अभियान के तौर पर सफाई करवाई जानी अत्यन्त आवश्यक है। अधिक आबादी वाले क्षेत्रों मे जैसे झुग्गी इत्यादि में आवासीयों द्वारा पानी को कृत्रिम पात्रों में संचयित करके रखा जाता है जिसमें डेंगू का मच्छर पनपने लगता है ऐसे क्षेत्रों मे जन जागरूकता की जाये कि आवासीय द्वारा पात्रों को ढक कर रखा जाये तथा सप्ताह मे एक बार साफ किया जाये। इसे अभियान के रूप मे चलाया जाना अत्यन्त आवश्यक है। अन्य विभागों के साथ समन्वय बनाते हुए शहरी क्षेत्रों मे ऐसे बडे स्थान जैसे सूखे नाले इत्यादि जहां पर पानी जमा हो जाने पर डेंगू पनपने का खतरा रहता है उनकी सफाई हेतु अभियान चलाया जाये। डेंगू रोग को महामारी का रूप लेने से रोकने के लिए फॉगिग इत्यादि की जाये। शहरी विकास विभाग के अभियन्त्रिकी शाखा को डेंगू रोकथाम एंव नियंत्रण हेतु प्रशिक्षित किया जाये। विभाग द्वारा डेंगू रोकथाम एंव नियंत्रण हेतु जन जागरूकता भी की जाये। शहरी विकास विभाग द्वारा उपरोक्त अभियान निरन्तर चलाया जाये व दैनिक गतिविधियों की रिपोर्ट राज्य एन0वी0बी0डी0सी0पी0 यूनिट को ई0मेल uknvbdcp@gmail.com पर प्रेषित की जाये।

(कार्यवाही – शहरी विकास विभाग उत्तराखण्ड)

4. बैठक मे मुख्य सचिव महोदय ने शिक्षा विभाग को विशेष रूप से निर्देशित किया कि स्कूली छात्र–छात्राओं को डेंगू के बारे में जागरूक किया जाय तथा स्वास्थ्य विभाग द्वारा निर्मित animated फिल्म को ऑनलाइन कक्षाओं के दौरान दिखाया जाये। यह भी निर्देश दिये गये कि लॉकडाउन के कारण स्कूलों में उग गयी घास–फूस की सफाई को भी सुनिश्चित किया जाये तथा जल भराव के स्थानों को नष्ट किया जाय।

(कार्यवाही – शिक्षा विभाग उत्तराखण्ड)

5. बैठक मे मुख्य सचिव महोदय ने सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग को डेंगू के बारे में जागरूकता के लिए निरन्तर प्रभावी प्रचार–प्रसार एवं जन जागरूकता किये जाने के निर्देश दिये गये एवं सोशल मीडिया एवं अन्य माध्यमों के द्वारा निरन्तर प्रचार–प्रसार के लिए निर्देशित किया गया।

(कार्यवाही – सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग उत्तराखण्ड)

6. वैक्टर जनित रोगों की रोकथाम हेतु पेयजल विभाग को प्राथमिकता के स्तर पर रखते हुए विस्तार से चर्चा की गयी, जिसमें पानी के रिसाव, नलों के मरम्मत, घरों में अनुपयोग पानी की निकासी तथा

Scanned with CamScanner

आबादी के आसपास पानी एकत्रित होने जैसी समस्याओं के निदान के बारे में विचार–विमर्श किया गया। अधिकांश क्षेत्रों मे नियमित जल आपूर्ति बाधित होने व इसी दौरान पानी का रिसाव तथा पानी एकत्रित होने के कारण डेंगू मच्छर पैदा होने का खतरा बन जाता है। ऐसी स्थिति को रोकने के लिए कार्यवाही की जाये व कार्मिकों को जागरूक किया जाये।

(कार्यवाही महाप्रबंधक पेयजल, उत्तराखण्ड)

7. परिवहन निगम की बसों, उनकी छत, बस अड्डे, यात्री विश्राम गृह आदि स्थानों पर पानी का एकत्रित होना प्रायः देखा गया है। परिवहन निगम के कार्यक्षेत्र के सभी स्थानों पर जनता का आवागमन अधिक होने के कारण मच्छर जन्य परिस्थितियों को देखा जाना, यात्रा से पहले वाहनो की भलि भांति सफाई करवाना अति महत्वपूर्ण है ताकि डेंगू का मच्छर ना पनप सके व डेंगू लार्वा वाहनों के माध्यम से एक स्थान से दूसरे स्थान तक ना पहुंच सके। अतः परिवहन निगम के ड्राईवर, कन्डेक्टर एवं अन्य कार्मिकों को जागरूक किया जाना चाहिए। सार्वजनिक वाहनों के माध्यम से प्रचार प्रसार सामग्री द्वारा जन जागरूकता की जाये।

(कार्यवाही महाप्रबंधक परिवहन विभाग उत्तराखण्ड)

8. डेंगू रोग के नियंत्रण के लिए जल आपूर्ति का रख रखाव करने वाले कर्मियों को जागरूक करना जिससे बांध , नहर के पास मच्छर पनपने की स्थिति न पैदा हो । प्रचार प्रसार अभियान के तौर पर किया जाये। मच्छरों के पनपने वाले स्थानों की निगरानी एंव Source Reduction हेतु राज्य, जनपद, ब्लॉक स्तर पर एक नोडल अधिकारी चिन्हित करना। गूलो, बांधो एंव नहरों के रखरखाव, पानी के रिसाव एंव जमाव को न होने देने की व्यवस्था करना ताकि मच्छरों के पनपने को रोका जा सके। मच्छरों के पनपने की स्थिति पैदा ना होने दे। Canal System का उचित रख रखाव।

(कार्यवाही सिंचाई विभाग उत्तराखण्ड)

9. जनपदों में तैनात कृषि अधिकारियों के माध्यम से किसानों को मच्छर जन्य परिस्थितियों को उत्पन्न न होने देने के बारे में जागरूक किया जाये साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाये कि धान के खेतों में रोपाई/सिचाई/वर्षा से लंबे समय तक जल भराव से होने वाली मच्छरजन्य स्थिति को रोका जाये उसमें मच्छर न पनपें इसका कोई प्रभावकारी तरीका निकाला जाय।

(कार्यवाही कृषि विभाग उत्तराखण्ड)

10. समुदाय स्तर पर डेंगू कन्ट्रोल उपायों का प्रचार प्रसार करना। मच्छरों रोधी वातावरण बनाये जाने हेतु समुदाय को मच्छर पनपने के स्थानों को नष्ट (Source Reduction) करने के लिए प्रेरित करना।

(कार्यवाही पंचायती राज विभाग उत्तराखण्ड)

11. बैठक में निर्णय लिया गया कि महिला सशक्तिकरण एवं बाल विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग समन्वय स्थापित कर डेंगू रोकथाम एवं नियंत्रण गतिविधियां जैसे सोर्स रिडक्शन, वैक्टर कन्ट्रोल एवं जन जागरूकता आदि का सम्पादन करेंगे। मुख्य सचिव उत्तराखण्ड शासन ने यह भी निर्देशित किया कि महिला सशक्तिकरण एवं बाल विभाग की कार्यप्रणाली में डेंगू/चिकनगुनिया नियंत्रण गतिविधियों का समावेश किया जाये। सोर्स रिडक्शन गतिविधियों मे आंगनवाडी कार्यकत्रियों का भी सहयोग लिया जाये।

(कार्यवाही महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास विभाग उत्तराखण्ड)

Scanned with CamScanner

12. इस अवसर पर स्वास्थ्य सचिव श्री नेगी ने कहा कि सभी महत्वपूर्ण विभागों को अपने उत्तरदायित्वों का पूर्ण पालन करना होगा तभी स्वास्थ्य विभाग डेंगू पर प्रभावी नियंत्रण कर पायेगा। श्री नेगी ने स्वास्थ्य महानिदेशक एवं मिशन निदेशक, एन0एच0एम0 को डेंगू पर नियंत्रण एवं बचाव के लिए पर्याप्त व्यवस्थायें रखने के निर्देश दिये।

(कार्यवाही – स्वास्थ्य विभाग उत्तराखण्ड)

प्रतिलिपि निम्न को संज्ञानार्थ प्रेषित :

1. मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
2. सचिव प्रभारी, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, उत्तराखण्ड शासन ।
3. महानिदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, उत्तराखण्ड शासन।
4. मिशन निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन उत्तराखण्ड।
5. बैठक मे उपस्थित सभी अधिकारीगण, उत्तराखण्ड शासन।

(अमित सिंह नेगी)

Scanned with CamScanner